आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 03.09.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया–2025 के दूसरे दिन सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बातचीत की।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार कुंभ– 2027 की तैयारी के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की।
- राज्य में कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।
- देहरादून में खुला प्रदेश का पहला आधुनिक दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र। दिव्यांगजनों को एक ही छत के नीचे प्रमाण पत्र और इलाज सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रधानमंत्री/सेमीकॉन इंडिया

सेमीकॉन इंडिया–2025 के दूसरे दिन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनी में सेमीकंडक्टर से संबंधित विभिन्न उत्पादों और परियोजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित थे। सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भारत को एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करना है।

जीएसटी परिषद बैठक

वस्तु और सेवा कर– जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक आज नई दिल्ली में शुरु हो गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन इस दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता कर रही हैं। परिषद द्वारा भारत के अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर विचार–विमर्श किए जाने की उम्मीद है। इसमें कर दरों को युक्तिसंगत और अनुपालन को सरल बनाना शामिल है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी और दिल्ली, गोवा, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, मेघालय तथा ओडिशा के मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के उप–मुख्यमंत्री, मणिपुर के राज्यपाल तथा कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री भी बैठक में हिस्सा ले रहे हैं।

हरिद्वार कुंभ बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार कुंभ– 2027 की तैयारी के संबंध में आज सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भव्य और दिव्य कुंभ का आयोजन कराना, राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मेले से संबंधित सभी कार्य विस्तारित क्षेत्र और मास्टर प्लान को ध्यान में रखकर किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कुंभ मेले की सभी तैयारियों को समय पर करते हुए स्थायी प्रकृति के कार्य अक्टूबर 2026 तक पूरा करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंजू बाला/राष्ट्रपति पुरस्कार

चम्पावत जिले के दूरस्थ राजकीय प्राथमिक विद्यालय च्युरानी की शिक्षिका डॉ. मंजू बाला को इस वर्ष, शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। डॉ. मंजू बाला, उत्तराखंड की एकमात्र शिक्षिका हैं, जिन्हें इस वर्ष का राष्ट्रपति पुरस्कार दिया जा रहा है। वे वर्ष 2005 से राजकीय प्राथमिक विद्यालय च्युरानी में शिक्षण कार्य कर रही हैं और गांव में ही रहकर विद्यार्थियों के पठन–पाठन में अहम भूमिका निभाती आ रही हैं। डॉ. मंजू बाला का मानना है कि अगर लड़की शिक्षित होगी, तो परिवार और समाज शिक्षित होगा। इसके लिए वे महिलाओं को जागरूक करने के साथ ही सामाजिक कार्य के लिए प्रेरित करती आ रही हैं।

पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदि मुर्मु देशभर के 45 शिक्षकों को इस सम्मान से सम्मानित करेंगी।

मुख्यमंत्री बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक कर राज्य की कानून–व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, सेवा पखवाड़ा और जनहित से जुड़े अन्य विषयों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनता को सुगम, सुरक्षित व पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने राज्य में कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने सभी संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से नियमित निगरानी करने, राज्य की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाने व पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गश्त को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून के बाद सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसके लिए निविदा प्रक्रिया अभी पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर से लेकर दो अक्टूबर गांधी जयंती तक प्रदेशभर में सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसे समयबद्ध रूप से लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं सड़क मार्ग से विभिन्न जिलों का भ्रमण करेंगे और व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री ने रेत मिश्रित नमक से संबंधित शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नमूना लेकर जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र

देहरादून के गांधी शताब्दी जिला चिकित्सालय में राज्य का पहला जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का आज शुभारंभ हुआ। इसमें दिव्यांगजनों को फिजियोथेरेपी, मनोवैज्ञानिक सलाह, दिव्यांग प्रमाण पत्र और कृत्रिम अंग प्राप्त करने जैसी सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। इस अवसर पर देहरादून नगर निगम के महापौर सौरभ थपलियाल ने जिला प्रशासन के अभिनव प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सशक्त समाज के निर्माण में देहरादून में स्थापित यह केंद्र मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान उन्होंने जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र के हेल्पलाइन नंबर 80–77–38–68–15 का अनावरण किया। देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर एकीकृत रूप में सभी सुविधाएं मिले, इस दिशा में उनके लिए समर्पित पुनर्वास केंद्र, जिला चिकित्सालय में खोला गया है। यहां पर दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, फिजियोथेरेपी, मनोवैज्ञानिक सलाह, इलाज और कृत्रिम उपकरण के साथ ही रोजगार प्रशिक्षण जैसी तमाम सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलेगी। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों को केंद्र तक आने–जाने के लिए विशेष समर्पित वाहन भी तैनात किया गया है।

सैनिक विश्राम गृह

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून में राज्य स्तरीय सैनिक विश्राम गृह के जीर्णोद्धार कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में अब तक 35 सैनिक विश्राम गृह बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार के बाद यह विश्राम गृह सैनिकों और पूर्व सैनिकों के लिए अधिक उपयोगी और सुगम बनेगा। श्री जोशी ने कहा कि सैनिक विश्राम गृह, सैनिकों और उनके परिजनों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा स्थल है, इसलिए यहां बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।